मौर्य साम्राज्य (322 BC – 185 BC)

- संस्थापक – चन्द्रगुप्त मौर्य
  Founder - Chandragupta Maurya
- राजधानी – पाटलिपुत्र **Capital = Pataliputra**
- प्रधानमंत्री – आचार्य महान चाणक्य
  Prime Minister - Acharya Great Chanakya
- अन्यनाम – विष्णुगुप्त, कौटिल्य, भारत के मैकियावेली
  Other name - Vishnugupta, Kautilya, Machiavelli Of India
- इनकी पुस्तक – अर्थशास्त्र **His book = Economics**
- राजनीति से सम्बन्धित पुस्तक **political book**

मौर्य साम्राज्य (322 BC – 185 BC)

- संस्थापक – चन्द्रगुप्त मौर्य
  Founder -
- राजधानी – पाटलिपुत्र
  Capital =
- प्रधानमंत्री – चाणक्य
  Prime Minister -
- अन्यनाम – विष्णुगुप्त, कौटिल्य, भारत का मैकियावेली
  Other name -
- इनकी पुस्तक – अर्थशास्त्र → राजनीति Politics
  His book =

चन्द्रगुप्त मौर्य

- शासनकाल – 322 से 298 BC तक Reign = 322 to 298 BC
- पत्नी – दुर्धरा Wife = Durdhara
- अन्यनाम – भारत का मुक्तिदाता, एन्ड्रोकोट्स, सैण्ड्रोकोटस
  Other names = Liberator of India, Androcottes, Sandrocottes

जस्टिन ने कहा
justin said

एपियन व प्लुटार्क ने कहा।
Appian and Plutarch said.

चन्द्रगुप्त मौर्य

- शासनकाल – 322 BC - 298 BC
  Reign =
- पत्नी – दुर्धरा
  Wife =
- अन्यनाम – भारत का मुक्तिदाता, सन्ड्रोकोटस, सैन्ड्रोकोटस
  Other names =

एपियन एवं प्लूटार्क ने कहा — जस्टिन ने कहा।

- 305 BC में सेल्युकस निकेटर से युद्ध हुआ।
  There was a war with Seleucus Nicator in 305 BC.
  - इस युद्ध को हारने के बाद निकेटर ने अपनी बेटी कार्नेलिया (हेलेना) की शादी चन्द्रगुप्त मौर्य से कर दी।
    After losing this war, Nicator married his daughter Karnelia (Halena) to Chandragupta Maurya.
  - और दहेज में निकेटर ने 4 प्रांत (काबुल, कांधार, मकरान, हेरात) दिये।
- साथ ही निकेटर ने अपना एक दूत मेगास्थनीज को चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा।
  And Nicator gave 4 provinces (Kabul, Kandahar, Makran, Herat) in dowry.

चन्द्रगुप्त मौर्य ने सेल्युकस को 500 हाथी उपहार (Gift) में दिये

की पुस्तक → 'इण्डिका'
Book of = 'Indika'
→ पाटलिपुत्र का प्रशासन
Administration of Pataliputra

- मैगस्थनीज ने पाटलिपुत्र को 'पालिब्रोथा' कहा है—
  Magasthenes has called Pataliputra as Palibotha.

- 305 BC- —चन्द्रगुप्त मौर्य ने सेल्युकस को हराया

305 BC. -

- इस युद्ध को हारने के बाद निकेटर ने अपनी बेटी हेलेना (कार्नेलिया) की शादी चन्द्रगुप्त मौर्य से कर दी।

  After losing this war, Nicator married his daughter .... to ....

- और दहेज में निकेटर ने 4 प्रांत काबुल, कांधार, मकरान, हेरात .... दिये।

  Nicator gave 4 provinces ( ) in dowry.

→ चन्द्रगुप्त मौर्य ने निकेटर को 500 हाथी Gift में दिये

- साथ ही निकेटर ने अपना एक दूत मेगस्थनीज ....को चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा।

  → की पुस्तक –इण्डिका

  Book of =

  ↳ पाटलिपुत्र के प्रशासन

→ मेगस्थनीज ने पाटलिपुत्र को पालिब्रोथा कहा।

- मैगस्थनीज ने पाटलिपुत्र को पालिब्रोथा कहा है–
  Magasthenes has called Pataliputra as Palibotha-

जूनागढ़ अभिलेख – रूद्रदामन ने जारी कराया।
Junagarh inscription = issued by Rudradaman.

- इसी से सुदर्शनझील सौराष्ट्र (गुजरात) का वर्णन मिलता है।
  From this we get the description of Sudarshan Jheel (Saurashtra (Gujarat).
  - इसका निर्माण चन्द्रगुप्त मौर्य के राज्यपाल पुष्यगुप्त ने कराया था।
    it was built by Pushyagupta, the governor of Chandragupta Maurya.
  - संस्कृत में जारी पहला अभिलेख है।
    This is the first inscription issued in Sanskrit.

- मैगस्थनीज ने पाटलिपुत्र को पालिब्रोथा कहा है–
  Magasthenes has called Pataliputra as Palibrotha -
- जूनागढ़ अभिलेख – रुद्रदामन ने जारी कराया।
  Junagarh inscription = issued by Rudradaman
  - इसी से सुदर्शन झील सौराष्ट्र (गुजरात) का वर्णन मिलता है।
    From this we get the description of Sudarshan lake (Saurashtra (Gujarat).
    - इसका निर्माण चन्द्रगुप्त मौर्य के राज्यपाल पुष्यगुप्त ने कराया था।
      it was built by Governor Pushyagupta of Chandragupta Maurya.
    - संस्कृत में जारी पहला अभिलेख है।
      This is the first inscription issued in Sanskrit

- चन्द्रगुप्त मौर्य जैन धर्म का अनुयायी था।
Chandragupta Maurya was a follower of Jainism.

जैन गुरु

  - इसने जैन धर्म की दीक्षा – भद्रबाहु से ली।
  He took the initiation of Jainism - from Bhadrabahu.

○ इसके बाद ये सारा साम्राज्य बिंदुसार के हाथों में सौंपकर – श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) चले गये
After this, by handing over this entire empire to Bindusara - went to Srivnabelagola (Karnataka)

बिना कुछ खाये पिये प्राण त्यागना

- वहाँ चन्द्रगिरी की पहाड़ियो पर संलेखना वृत द्वारा अपने प्राण दे दिये।
There, on the hills of Chandragiri, he gave his life by

samlekhan vow

- चन्द्रगुप्त मौर्य जैन धर्म का अनुयायी था।
  Chandragupta Maurya was a follower of Jainism
  - इसने जैन धर्म की दीक्षा – भद्रबाहु से ली।
    He took the initiation of Jainism - from Bhadrabahu
    - इसके बाद ये सारा साम्राज्य बिंदुसार के हाथों में सौंपकर – श्रावणबेलगोला कर्नाटक चले गये
      After this, by handing over this entire empire to Bindusara - went to Sravanbelgola
      - वहाँ चन्द्रगिरी की पहाड़ियो पर सल्लेखना वृत द्वारा अपने प्राण दे दिये।
        There, on the hills of Chandragiri, he gave his life by Sallekhana vow

298 BC - मृत्यु / death

बिंदुसार (298 BC – 273 BC तक)

- अन्यनाम – अमित्रघात, वारिसार, भद्रसार, सिंहसेन, अमित्रोकोटीज
  Other names = Amitraghat, Warisar, Bhadrasar, Singhsen, amtrokotij

- इसके दरबार में– In its court -
  1. फिलाडेल्फस – टालमी II (मिस्त्र) ने भेजा
     Philadelphus- Ptolemy II (Egypt) sent by
  2. डॉयमेकस – एण्टियोकस (सीरिया) ने भेजा
     Doymekas – Antiochus (Syria) sent by

- इसके समय में तक्षशिला में अशान्ति थी। जिसका दमन करने के लिए इसने अपने पुत्र सुशीम को भेजा।
  During this time there was unrest in Taxila. To suppress whom he sent his son Sushim.

- बिंदुसार के दो पुत्र थे– (1) सुशीम (2) अशोक
  Bindusara had two sons- (1) Sushim (2) Ashoka

- इसके समय में भी प्रधानमंत्री चाणक्य ही थे।
  In its time also the Prime Minister was Chanakya.

बिंदुसार (298 BC – 273 BC तक)

- अन्यनाम – अमित्रघात, वारिसार, भद्रसार, सिंहसेन, अमित्रोकोटीज
  Other names =

- इसके दरबार में– In its court- राजदूत
  1. फिलाडेल्फस – टालमी II (मिस्र) ने भेजा
     Philadelphus-
  2. डॉयमेकस → एण्टियोकस (सीरिया) ने भेजा
     Doymekas –

○ इसके समय मे तक्षशिला में अशान्ति थी। जिसका दमन करने के लिए इसने अपने पुत्र सुशीम .... को भेजा।
During this time there was unrest in Taxila. To suppress whom he sent his son. ....

- बिंदुसार के दो पुत्र थे– ① सुशीम ② अशोक
  Bindusara had two sons-

○ इसके समय में भी प्रधानमंत्री चाणक्य ....ही थे।
In its time also the Prime Minister was

सम्राट अशोक (269BC-232BC)

- जन्म : 304 BC (माता – शुभद्रांगी)
  Birth : 304 BC (Mother - Shubhadrangi)
- अशोक के नाम : देवनाम प्रियदर्शी
  Ashoka's name: Devnam Priyadarshi
- अशोक के नाम – अभिलेख –
  Name of Ashoka = inscription -

मास्की (कर्नाटक)
Maski (Karnataka)

गुर्जरा (मध्य प्रदेश)
Gurjara (Madhya Pradesh)

नेटटूर (कर्नाटक)
Nettoor (Karnataka)

उदयगोलान (कर्नाटक)
Udayagolan (Karnataka)

कल

सम्राट अशोक (269BC-232BC)

- जन्म : ..... (माता – .....
  Birth :..... (Mother -.....
- अशोक के नाम : .....
  Ashoka's name: .....
- अशोक के नाम – अभिलेख –
  Name of Ashoka = inscription -

- भब्र अभिलेख (राज0) में अशोक ने स्वयं को मगध का सम्राट बताया है।
  In the Bhavra inscription (Raj 0), Ashoka has described himself as the emperor of Magadha.
- अभिलेखों को खोजा : टीफैथेलर ने (1750)
  Records discovered: Tifaithelar (1750)

  1837 में – पढ़ा : जेम्स प्रिंसेप ने
  1837 – Read: by James Princep
- अशोक के अभिलेखों की भाषा –
  Language of Ashoka's inscriptions -

  भारत : ब्राह्मी लिपि
  India: Brahmi script

  पाक0 : खरोष्ठी लिपि
  Pak : Kharosthi script

  अफगानिस्तान : अरमाइक लिपि
  Afganistan: Aramaic script

  एशिया माइनर (तुर्की) : ग्रीक लिपि
  Asia Minor (Turkey): Greek script

- भब्र अभिलेख (राज0) में अशोक ने स्वयं को मगध का सम्राट बताया है।
  In the Bhavra inscription (Raj 0), Ashoka has described himself as the emperor of Magadha.
- अभिलेखों को खोजा :
  Records discovered: -

  1837 में – पढ़ा : ....
  1837 – Read: ....
- अशोक के अभिलेखों की भाषा –
  Language of Ashoka's inscriptions -

  भारत :
  India:

  पाक0 :
  Pak :

  अफगानिस्तान :
  Afganistan:

  एशिया माइनर (तुर्की) :
  Asia Minor (Turkey):

- कलिंग युद्ध (261BC) – 8वें वर्ष **Kalinga War (261BC) - 8th year**
  (ओड़िशा) **(Odisha)**
  - कलिंग की राजधानी : तोसली **Capital : Tosli**
  - राजा : पद्मनाभ **King: Padmanabh**
  - नदी : दया नदी के किनारे **River : Bank of Daya River**
- अशोक की नीति – "भेरीघोष की नीति" (युद्ध नीति)
  Ashoka's policy - "Bherighosh's policy" (war policy)
- कलिंग युद्ध के बाद उसने धम्म घोष नीति अपनायी।
  After the Kalinga war, he adopted Dhamma Ghosh policy.
  (शांति की नीति) **(peace policy)**
- इस युद्ध के बाद अशोक ने बौद्ध धर्म को अपना लिया।
  After this war, Ashoka adopted Buddhism.

- कलिंग युद्ध (261BC) –

  Kalinga War (261BC) -

  - कलिंग की राजधानी :
  - **Capital :**
  - राजा :
  - **King:**
  - नदी :
  - **River :**

- अशोक की नीति –

  Ashoka's policy -

- कलिंग युद्ध के बाद उसने .....नीति अपनायी।

  After the Kalinga war, he adopted ..... policy.

- इस युद्ध के बाद अशोक ने बौद्ध धर्म को अपना लिया।
  After this war, Ashoka adopted Buddhism.

- बौद्ध धर्म की प्रेरणा अपने भतीजे "निग्रोथ" से ली व शिक्षा "उपगुप्त" से ली।
  Took inspiration of Buddhism from his nephew "Nigrotha" and took education from "Upagupta".

- अशोक की पत्नी – देवी : (महेन्द्र, संघमित्रा, चारुमति)
  Ashoka's wife - Devi: (Mahendra, Sanghamitra, Charumati)

  करुवाकी : (तीवर) **Karuvaki : (Tivar)**

  पद्मावती : (कुणाल) – उत्तराधिकारी
  Padmavati : (Kunal) – Successor

- इस युद्ध के बाद अशोक ने ..... को अपना लिया।
  After this war, Ashoka adopted.....

- बौद्ध धर्म की प्रेरणा अपने भतीजे ..... से ली व शिक्षा ....से ली।
  Took inspiration of Buddhism from his nephew ..... and took education from .....
- अशोक की पत्नी –
- **Ashoka's wife -**

- बौद्ध धर्म की प्रचार के अशोक ने **Ashoka propagated Buddhism**

  श्रीलंका भेजा – महेन्द्र, संघमित्रा

  Sent to Sri Lanka – Mahendra, Sanghamitra

  तक्षशिला – मज्झांतिक **Taxila - Manjhantik**

  हिमालयी क्षेत्र – मज्झिम **Himalayan Area - Majjhim**

- भारत में सर्वप्रथम शिलालेखों का प्रारम्भ अशोक ने करवाया:
  Ashoka started the first inscriptions in India:

- अशोक के शिलालेख – (14) **Edicts of Ashoka - (14)**

- स्तम्भ लेख – 07
  Column articles - 07

- गुहा लेख – 03
  Cavalry articles – 03

- बौद्ध धर्म की प्रचार के अशोक ने **Ashoka propagated Buddhism**

  श्रीलंका भेजा –

  Sent to Sri Lanka –

  तक्षशिला –

  Taxila -

  हिमालयी क्षेत्र –

  Himalayan Area -

- भारत में सर्वप्रथम शिलालेखों का प्रारम्भ अशोक ने करवाया:
  Ashoka started the first inscriptions in India:

- अशोक के शिलालेख – (.....) **Edicts of Ashoka - (.....)**

- स्तम्भ लेख –
  Column articles -

- गुहा लेख –

अशोक के 14 शिलालेख

(1) पशुबलि की निंदा, अहिंसा, समस्त प्रजा हमारे पुत्र है।
In the first record - condemnation of animal sacrifice, non-violence, all the subjects are our sons.

(2) पशु चिकित्सा, दक्षिण राज्यो का उल्लेख (चेल, चोल, पांड्य, सतियपुत्र)
Animal medicine, mention of southern states (Chelas, Cholas, Pandyas, Satyaputras)

(3) अधिकारी (रज्जुक, युक्तक, प्रदेशक) :– (प्रत्येक 5 वर्ष में भ्रमण)
Officer (Rajjuk, Yuktak, Pradeshak) :- (Visit in every 5 years)

(4) भेरीघोष नीति के स्थान पर "धम्म घोष" की नीति अपनायी
In place of Bherighosh's policy, the policy of "Dhamma Ghosh" was adopted.

(5) (धम्म महामात्र) **(Dhamma Mahamatra)**

(6) आत्म नियंत्रण – (यदि जन कल्याण की बात है तो उसके अधिकारी किसी भी समय अवगत करा सकते है।)

Self-control - (If it is a matter of public welfare, then its officials can inform at any time.)

(7) धार्मिक समन्वय – (259BC बोध गया की यात्रा (10वें वर्ष)

Religious syncretism - (259BC visit to Bodh Gaya (10th year)

(8) धम्म यात्रा के बारे में – (249BC लुम्बिनी (20वें वर्ष)

About Dhamma Yatra - (249BC Lumbini (20th year)

(13) कलिंग युद्ध **Kalinga war**

(14) सद्भावना **Goodwill**

- अशोक के स्तम्भ लेख :– 7 – **Ashoka's pillar articles:- 7-**

1. दिल्ली टोपरा **Delhi Topra**
2. मेरठ टोपरा **Meerut Topra**
3. कौशाम्बी **Kaushambi**
4. लौरिया नंदनगढ **Lauria Nandangarh**
5. लौरिया अरारोज **Lauria Araroz**
6. रामपुरा /रामपुरवा **Rampura /Rampurva**
7. अशोक स्तम्भ लेख **Ashoka Pillar Edict**

बिहार

अधिकारी वर्णन :– Officer Description :-

1. सीताध्यक्ष – राजकीय भूमि से प्राप्त आय (सीता) का अधिकारी
   Sitadhyaksha - Officer of the income (Sita) received from the state land
2. समाहर्ता – राजस्व विभाग
   Collector - Revenue Department
3. सन्निधाता – कोषाध्यक्ष
   Associate - Treasurer
4. प्रदेष्टा – फौजदारी विभाग
   Pradeshta - Criminal Division
5. धर्मस्य (व्यवहारी) – दीवानी विभाग
   Dharmasya (Practitioner) - Civil Department

अधिकारी वर्णन :– Officer Description :-

1. राजकीय भूमि से प्राप्त आय (सीता) का अधिकारी –
   Officer of the income (Sita) received from the state land -
2. राजस्व विभाग –
   Revenue Department -
3. कोषाध्यक्ष –
   Treasurer -
4. फौजदारी विभाग –
   Criminal Division -
5. दीवानी विभाग –
   Civil Department -